पाठ – 2 दादी माँ

अतिरिक्त प्रश्नों के उत्तर :–

१. क्वार के दिन आते ही लेखक को लगता था कि गाँव के चारों ओर पानी हिलोरें ले रहा है ।

२. महामारी या छूत की बीमारी होने पर दादी माँ गुड़ का जल बनातीं, गुग्गल व धूप जलातीं, समय पर मिश्री या शहद खाने को देती, रोज़ चादर या गिलाफ़ बदलतीं ।

३. कोई भी कार्य विशेष रूप से दादी माँ को सौंपा नहीं जाता था इसलिए सभी ऐसा कहते थे कि दादी माँ कुछ भी नहीं करतीं ।

४. गाँव में यह रिवाज़ था कि विवाह के चार–पाँच दिन पहले से ही औरतें रात–रातभर गीत गातीं थीं व विवाह की रात अभिनय करती थीं ।

५. बाहर दालान में लेखक का ममेरा भाई सो रहा था क्योंकि वह बारात जाने के बाद पहुँचा था ।

६. दादा की अनायास मृत्यु दादी को धोखा प्रतीत होती थी, क्योंकि वे सदा किसी भी कार्य हेतु दादी को पहले भेजकर पीछे अपने आने की बात कहते थे लेकिन वे दादी से पहले ही चल बसे ।

७. दादी ने कंगन सदा सहेजकर रखा क्योंकि यह उनके वंश की निशानी थी ।

८. दादी माँ की मृत्यु का समाचार पत्र में पढ़कर भी लेखक को इस बात पर विश्वास नहीं होता कि दादी माँ अब नहीं रहीं ।

****COMPLETE EVERYTHING IN YOUR HINDI (LIT) CLASS WORK COPY WITH GOOD HAND WRITING. ****